शिक्षा का उत्थान।

शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

सृजनबालगीत

दिनांक- 04.07.2021

भाग- 6

रविवार फुलझड़ी

शैक्षिक बालगीत संकलन

क्रमांक 141 से 166 तक

काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

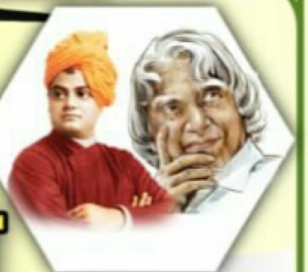

सृजन बालगीत

141

मेरा स्कूल

ये मेरे स्कूल का आँगन,
ये मेरे स्कूल का प्राँगण।
बच्चा-बच्चा ऐसे चहके,
जैसे पखेरू गगन।।

रंग-बिरंगे फूल खिले हैं,
धूल भरे इन कपड़ों में।
एकभाव से गले मिले हैं,
क्या गैरों क्या अपनों से।।

जीवन तरू ऐसे महके,
जैसे महके मधुवन।
विद्या की सरिता में नहाया,
ये अनबूझा बचपन।।

नाम- दिव्याँशु (छात्र)
कक्षा-8
रा० उ० प्रा० वि० ईड़ाबधाणी
ब्लॉक- कर्णप्रयाग, चमोली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

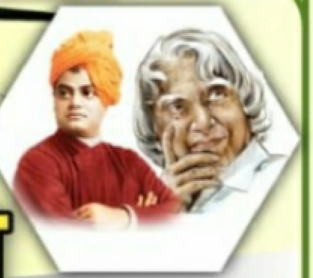

रविवार फुलझड़ी

सृजन बालगीत

142

फूल

सबसे सुन्दर होते फूल,
सबको प्यारे लगते फूल।
वन-उपवन में सुन्दर फूल,
सबसे कोमल होते फूल।।

भौरों को मीठे लगते फूल,
हमको भी भाते प्यारे फूल।
हँसना हमें सिखाते फूल,
काँटो में मुस्काते फूल।।

खूशबू अपनी बिखेरते फूल,
जीना हमें सिखाते फूल,
ईश्वर को चढ़ाये जाते फूल,
वीरों को समर्पित करते फूल।।

रचना-
रोहित भट्ट (छात्र)
कक्षा- 8
रा० इ० का० कण्डारा
ब्लॉक- अगस्त्यमुनि, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

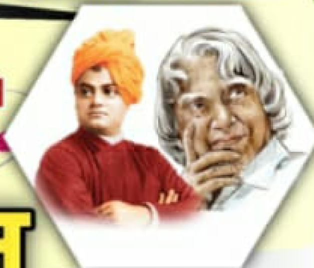

सृजन बालगीत

143

मेरा स्कूल

सुन्दर-सुन्दर, प्यारा-प्यारा,
देखो है मेरा स्कूल।
चारों तरफ है हरियाली,
रंग-बिरंगे लगे हैं फूल।।

अच्छा-अच्छा खाना खाकर,
पढ़ते हैं हम मन लगाकर।
मैडम जी हैं हमें पढ़ातीं,
मीठी-मीठी डाँट लगाती।।

होते हैं हम जब उदास,
प्यार से फेरें सर पर हाथ।
बाँटे सुख-दुख संग हमारे,
हम सब बच्चे उनको प्यारे।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी भाग- १
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

सृजन बालगीत

144

वो दिन

गर्मी की छुट्टियों पर,
दादी-नानी के घर जाना।
छोड़, पढ़ने की चिन्ता,
मौज ही मौज मनाना।।

न लगे धूप की गर्मी,
न भम्भुर की तपन।
पेड़ों की छाया और,
बगीचे में मन मगन।।

रचना-
अंजू गुप्ता (प्र0अ0)
प्रा0 वि0 खम्हौरा- प्रथम
महुआ, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

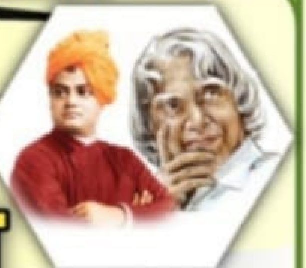

सृजन बालगीत

145

जलेबी

जलेबी का नाम सुनते ही,
मुँह में पानी आ जाता है।
इसका मीठा-मीठा रस भी
हम सबको खूब भाता है।।

जलेबी है मिठाई एक ऐसी,
जिसे राष्ट्रीय मिठाई कहते हैं।
बच्चे, बूढ़े हो या फिर जवान,
इसे खाये बिना नहीं रहते हैं।।

रचना

ऊषा रानी (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय खाता
विकास क्षेत्र-मवाना, मेरठ

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

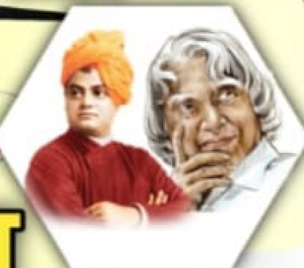

146

सृजन बालगीत

पहेलियाँ

अश्व, तुरंग कहाता हूँ,
सड़कों पर दौड़ लगाता हूँ।
बोलो बच्चों, मैं हूँ कौन?
और मैं किस काम आता हूँ?

घोड़ा

संस्कृत में वानर कहलाता हूँ,
झट पेड़ पर चढ़ जाता हूँ।
खो-खो करके सब को डराता हूँ,
केला बहुत ही खाता हूँ।।

बन्दर

रचना-
भावना शर्मा (प्र०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

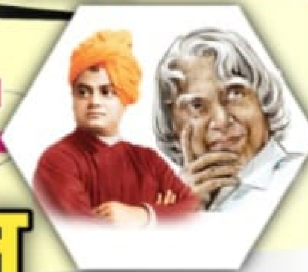

सृजन बालगीत

147

दही बड़ा

दही बड़ा जी दही बड़ा,
दही में डाला दही बड़ा।
और हो गया खूब बड़ा,
सबने खाया दही बड़ा।।

दही बड़ा कई प्लेटों में डाला,
मसाला भी ऊपर से डाला।
स्वादिष्ट खूब लगा दही बड़ा,
और भी मँगाओ दही बड़ा।।

रचना-
माला सिंह (स०अ०)
क०वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

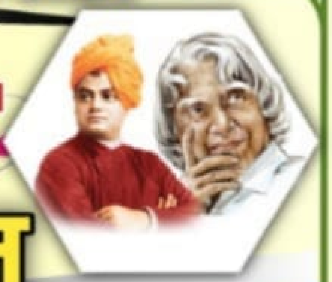

148

सृजन बालगीत

मेरा स्कूल

सुन्दर कमरे हरा मैदान,
लम्बे पेड़ हैं इसकी शान।
शहर के कोलाहल से दूर,
स्कूल में मिले शुकून भरपूर।।

विद्या का मन्दिर है ये,
मेरे लिए जन्नत है ये।
ज्ञान का भण्डार यहाँ है,
जिन्दगी का आनन्द यहाँ है।।

रचना-

रविता शर्मा (शिक्षिका)
कृष्णा पब्लिक स्कूल, मेरठ

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

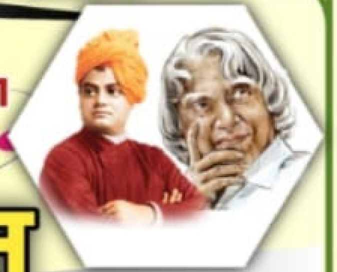

सृजन बालगीत

149

सूरज दादा

सूरज दादा रोज रात को,
कहाँ पर तुम चले जाते हो?
क्या चन्दा से डरते हो?
या आँख-मिचौली करते हो।।

क्या अपनी मम्मी की गोद में,
तुम जाकर छुप जाते हो।
या अपनी माँ से रात को,
लोरी सुनते रहते हो।।

रचना- मोना शर्मा (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय पूठी
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

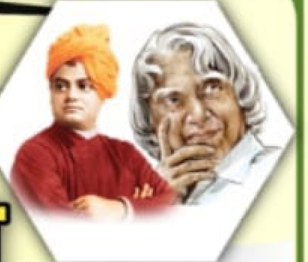

रविवार फुलझड़ी

सृजन बालगीत

150

पहेली

(1) मैं हूँ छोटा सा अमीर,
पेट पर मेरे है लकीर।

(2) दुशाले में हीरे, दुशाला पर दुशाला,
गरम करने पर हो जाऊँगा काला।।

(3) माँ चलती आगे-आगे,
सीटी, धुँआ वो मारे।
बच्चे सारे नीले-लाल,
पीछे-पीछे भागे सारे।।

(4) पढ़ने-लिखने में आता काम मैं,
कलम नहीं कागज नहीं मैं।
धूप से भी बचाना मेरा काम,
बताओ-बताओ मेरा नाम।।

1- गेहूँ 2- भुट्टा 3- रेलगाड़ी 4- चश्मा

रचना-
शशी कौशिक (स०अ०)
उ० प्रा० वि० मटौर (1-8)
दौराला, मेरठ

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

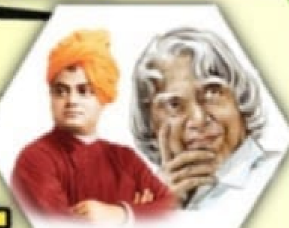

151

सृजन बालगीत

नन्हीं चिड़िया की प्रार्थना

आसमान से आग बरसती,
सूख गए सब झरने, पोखर।
मैं नन्हीं सी प्यासी चिड़िया,
घूम रही हूँ व्याकुल होकर।।

बंजर धरती माँग रही जल,
प्यासे सारे वन-उपवन।
एक छोटी सी बदली अब तो,
बरसा जाओ हे! भगवन।।

रचना

स्नेह लता (स०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

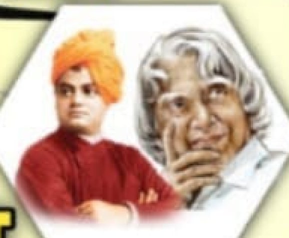

सृजन बालगीत

152

मेघा बरसे

मेघा ने सुनी पुकार,
बरसायी जल की फुहार।
धरा की बुझायी प्यास,
पूरी कर दी सबकी आस।।

पेड़-पौधे मुस्काये,
पशु-पक्षी हर्षाये।
ठण्डी-ठण्डी हवा संग,
सबका मन खिलता जाए।।

रचना- रीना काकरान (स०अ०)
प्रा० वि० सालेहनगर
जानी, मेरठ

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

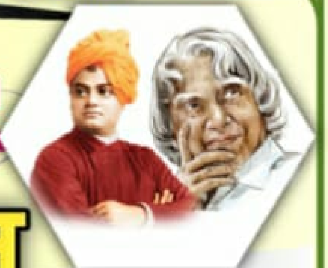

153

सृजन बालगीत

मिशन प्रेरणा की ई-पाठशाला

आओ मम्मी ,आओ पापा,
टी० वी० जल्दी खोलो पापा।
मिशन प्रेरणा की क्लास है,
दूरदर्शन जरा लगाओ पापा।।

प्रतिदिन व्हाट्सएप से पढ़ाई,
प्रेरणा लक्ष्य पर अभ्यास करना है।
शनिवार क्विज में प्रतिभाग,
ऑनलाइन पाठशाला में पढ़ना है।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना- सुगंधा अग्रवाल (स०अ०)
अं० मा० प्रा० वि०, दोहा
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

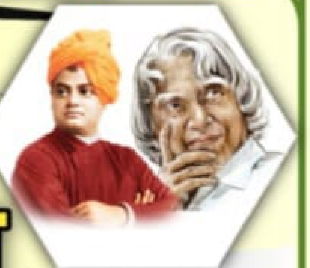

रविवार फुलझड़ी

154

सृजन बालगीत

मित्र पंखा

पंखे का है काम निराला,
ये हैं गर्मी ऋतु के आला।
जब हम है बाहर से आते,
ठण्डी हवा है हमें खिलाते।।

बेचैनी को तुरन्त हैं हरते,
ये मन को शान्ति हैं देते।
पर हैं इनके पक्के साथी,
बिन साथी के हवा न आती।।

रचना
श्रीमती शुभा देवी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

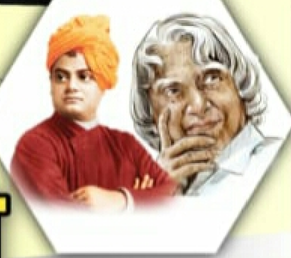

सृजन बालगीत 155

गिलहरी

एक गिलहरी बड़ी चुलबुली,
नाम है उसका सुनहरी।
आती रोज आँगन में मेरे,
करती उछल-कूद आँगन में मेरे।।

कभी दीवार पर चढ़ जाती,
कभी सीढ़ी पर आती-जाती।
जब मैं उसको पास बुलाती,
झट से वह भाग जाती।।

गमले का पीती है पानी,
उसकी सहेली है चिड़िया रानी।
करते दोनों खूब मनमानी,
बताओ कैसी लगी कहानी।।

रचना:
रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

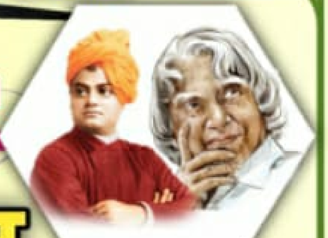

156

सृजन बालगीत

वर्षा रानी

वर्षा रानी, वर्षा रानी,
लगती हो तुम बड़ी सुहानी।
रिमझिम करके तुम आ जाती,
झमाझम बरसाती पानी।।

कैसे मयूर मस्त हो नाचे,
कोयल कूके, बुलबुल गाये।
धरा से मिलने को आतुर,
बादल घुमड़-घुमड़ कर आये।।

रचना- निकहत रशीद (स०अ०)
उ० प्रा० वि० निवाइच
तिन्दवारी, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

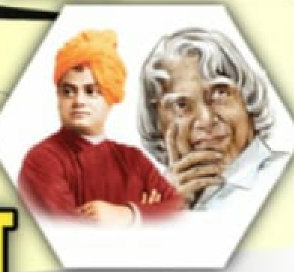

रविवार फुलझड़ी

157

सृजन बालगीत

तितली रानी

रंग-बिरंगी तितली हूँ,
सबके मन को भाती हूँ।
फूलों का रस पीती हूँ,
अठखेलियाँ दिखाती हूँ॥

कोमल पंख फैलाती हूँ,
कली-कली मंडराती हूँ।
इन्द्रधनुष सी दिखती हूँ,
झट से मैं उड़ जाती हूँ॥

रचना :-
शिप्रा सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

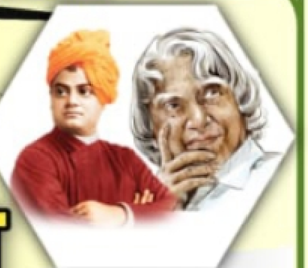

158

सृजन बालगीत

दूध सम्पूर्ण आहार

दूध है एक सम्पूर्ण आहार,
इसमें होती शक्ति अपार।
यह शरीर को स्वस्थ बनाता,
हजारों बीमारियों से बचाता।।

बच्चों से लेकर बड़ों तक,
दूध सभी के लिए जरूरी होता।
दूध है पौष्टिक तत्व खजाना,
यह है सभी को बताना।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

159

सृजन बालगीत

टिम-टिम करते तारे

आसमान में देखो कितने,
प्यारे-प्यारे हैं तारे।
टिम-टिम चमके रात में,
लगते सबसे न्यारे।।

आसमान पर ऐसे बिखरे,
जैसे मोती की लड़ियाँ।
रातों को ऐसे चमके,
जैसे कोई फुलझड़ियाँ।।

सुबह जब सूरज आता,
यह हमको न दिखते हैं।
सूरज जैसे छिप जाता,
तब जुगनू जैसे चमकते हैं।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

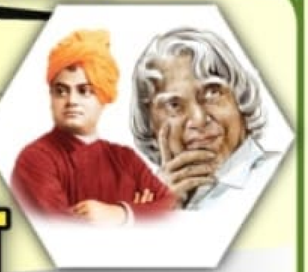

160

सृजन बालगीत

सतरंगी पतंग

मैं एक सतरंगी पतंग बन जाऊँ,
इन्द्रधनुष के रंगों में रंग जाऊँ।
नील गगन में उड़-उड़ जाऊँ,
आसमान छूकर खुश मैं हो जाऊँ।।

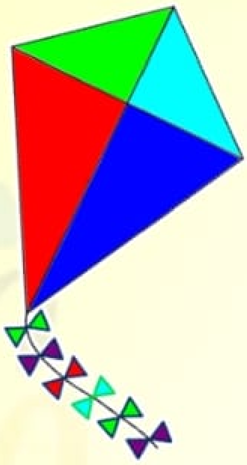

हवा से बातें करके मैं आऊँ,
प्यारे-प्यारे सपनों में खो जाऊँ।
लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला
सुन्दर-सुन्दर रंगों में रंग जाऊँ।।

रचना - दीप्ति यादव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय लालापुर
बेवर, मैनपुरी

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

161

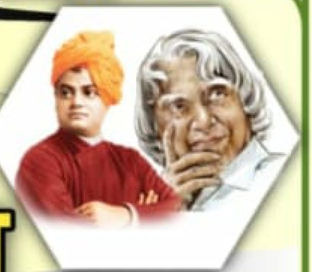

सृजन बालगीत

आम

आम फलों का राजा होता,
सबके मन को भाता है।।
बूढ़े हों या फिर हों बच्चे,
हर कोई इसे खाता है।।

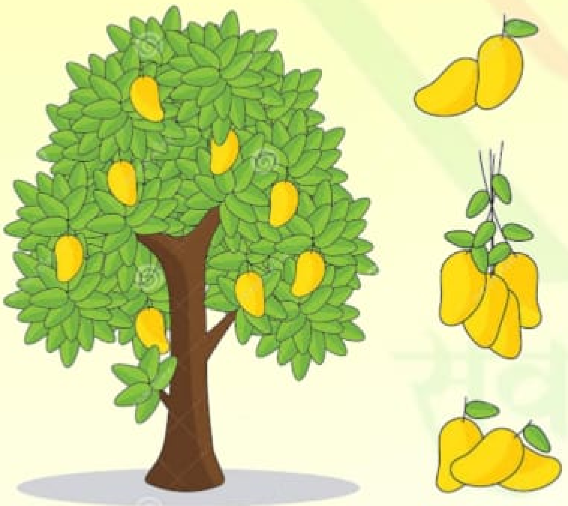

स्वाद निराला सबको भाये,
मिट्ठू भी ये चाव से खाये।।
बाग में बैठी कोयल गाए,
आम सदा राजा कहलाये।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा, बिसवाँ, सीतापुर

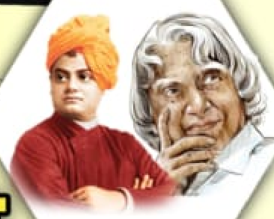

सृजन बालगीत

162

गुब्बारे वाला

देखो गुब्बारे वाला आया,
रंग-बिरंगे गुब्बारे लाया।
हरे, लाल और नीले, पीले,
कितने सुन्दर और चमकीले।

नारंगी, कत्थई, सफेद, बैंगनी,
काले, गुलाबी और जामुनी।
आओ हम सब गुब्बारे ले लें,
मिलकर फिर हम सब खेलें।।

रचना
मनोज कुमारी नैन (प्र०अ०)
प्रा० वि० गौरीपुर जवाहर नगर
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

163

सृजन बालगीत

बारिश आयी

बारिश आयी, बारिश आयी,
मस्ती की बौछार है छायी।
छाता लेकर नेहा आयी,
साथ कागज की नाव लायी।।

बच्चों की टोली भी आयी,
सभी ने मिलकर नाव चलायी।
बारिश में सबने धूम मचायी,
उछले-कूदे फिर दौड़ लगायी।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद
दिनांक 04.07.2021
रविवार फुलझड़ी

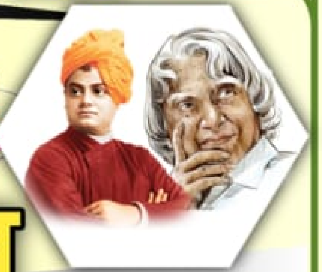

सृजन बालगीत

164

सूरज दादा

भौर में आकर सूरज दादा,
कहने लगे बच्चों उठ जाओ।
करके कुल्ला-मंजन, साफ-सफाई,
ईश्वर भक्ति में ध्यान लगाओ।।

पहन यूनिफॉर्म, टाँगकर बस्ता,
हँसते-मुस्कुराते स्कूल जाओ।
लगाकर पढ़ाई-लिखाई में ध्यान,
अच्छे बच्चे बन जाओ।।

रचना
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

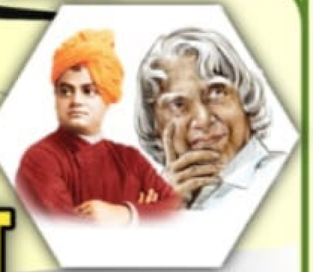

रविवार फुलझड़ी

165

सृजन बालगीत

मेरी नानी

मेरी नानी प्यारी प्यारी,
लाड़ मुझे वो करती हैं।
लगा के चश्मा आँखों पर,
सबको देखा करती हैं।।

जब भी जाता उनसे मिलने,
पास अपने वो बिठाती हैं।
लड्डू, समोसे और जलेबी,
जी भर मुझे खिलाती हैं।।

रचना -
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक 04.07.2021

रविवार फुलझड़ी

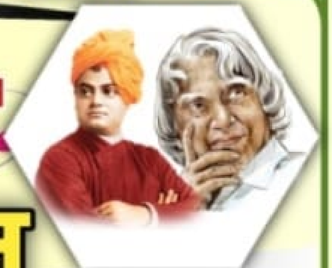

166

सृजन बालगीत

चिड़िया रानी

रोज सबेरे हमें जगाती,
चीं-चीं करती चिड़िया रानी।
चीं-चीं करके दाना खाती,
फुर-फुर करके वो उड़ जाती।।

डाल-डाल पर जा कर बैठती,
डाल-डाल पर आराम फरमाती।
फिर चीं-चीं करके दाना खाती,
फुर-फुर करके वो उड़ जाती।।

रचना

अनन्या मौर्या (छात्रा)
कक्षा - 4
क० वि० मिल्कोपुर
चिरईगाँव, वाराणसी

मिशन शिक्षण संवाद

सृजन बालगीत - भाग 06

रचनाकारों की सूची

141-दिव्याँशु (छात्र), चमोली
142- रोहित भट्ट (छात्र), रुद्रप्रयाग
143- ज्योति विश्वकर्मा, बाँदा
144- अंजू गुप्ता, बाँदा
145- ऊषा रानी, मेरठ
146- भावना शर्मा, मेरठ
147- माला सिंह, मेरठ
148- रविता शर्मा, मेरठ
149- मोना शर्मा, मेरठ
150- शशी कौशिक, मेरठ
151- स्नेहलता, मेरठ
152- रीना काकरान, मेरठ
153- सुगन्धा अग्रवाल, बाँदा
154- शुभा देवी, फतेहपुर
155-रूखसाना बानो, मिर्जापुर
156- निकहत रशीद, बाँदा
157- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
158- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
159-शहनाज बानो, चित्रकूट
160- दीप्ति यादव, मैनपुरी
161- शिखा वर्मा, सीतापुर
162- मनोज कुमारी नैन, बागपत
163- नीलम भास्कर, बागपत
164- अमित गोयल, बागपत
165- डॉ० नीतू शुक्ला, उन्नाव
166- अनन्या मौर्या (छात्रा), वाराणसी

तकनीकी सहयोग

1- शिखा वर्मा, सीतापुर 2- जितेन्द्र कुमार, बागपत
3- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर 4- मन्जू शर्मा, हाथरस

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन :- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम